PUBLICATION NAME :	Sandhya Prakash
EDITION :	Bhopal
DATE :	10/01/24
PAGE :	6

ईडीआईआई ने दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का किया आयोजन

अहमदाबाद एजेंसी। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र में प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने पर आधारित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन का उद्देश्य एमएसएमई क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देना है। भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (आईसी अनुभाग) द्वारा समर्थित सम्मेलन का उद्घाटन मंगलवार को दक्षिण कोरिया के माननीय राजदूत चांग जे-बोक की उपस्थिति में किया गया। विशिष्ट अतिथि के तौर पर सुश्री मर्सी एपाओ, संयुक्त सचिव, एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार; रसना के चेयरमैन और सीआईआई टास्क फोर्स, अहमदाबाद के चेयरमैन श्री पिरुज खंबाटा और ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला भी उद्घाटन के अवसर पर मौजूद थे।

सम्मेलन ने प्रमुख हितधारकों, विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं को एकसाथ लाते हुए एमएसएमई क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के प्रसार पर चर्चा के लिए एक मंच प्रदान किया। इस कार्यक्रम में ग्लोबल एंटरप्रेन्योरशिप मॉनिटर- इंडिया रिपोर्ट 2022-23 भी जारी की गई, जो देश के उद्यमशीलता परिदृश्य के बारे में गहन जानकारी देती है। अपने बधाई भाषण में, एंबेसडर चांग ने कोरिया-भारत द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने में एमएसएमई की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों को उद्यमिता की शक्ति का लाभ उठाकर दोनों देशों के बीच सहयोग को और मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित किया सुश्री मर्सी एपाओ ने अपने संबोधन में कहा, ''वर्तमान दौर में हम एमएसएमई के क्षेत्र में व्यापक बदलाव देख रहे हैं और यह बदलाव इनोवेशन और प्रतिस्पर्धा के कारण संभव हुए हैं। ऐसी स्थिति में उद्यमियों के लिए यह सुनहरे अवसर के समान है, उन्हें इस ईको सिस्टम में बाजार में उपलब्ध अवसरों का फायदा उठाते हुए सहायक नीतियों और रिसर्च पर भी अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए। आइए, हम सामूहिक रूप से एमएसएमई क्षेत्र को आगे बढ़ाएं और देश के आर्थिक विकास में अपनी ओर से योगदान दें। मैं मंत्रालय के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने और देश के आर्थिक विकास में सार्थक योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए ईडीआईआई की सराहना करती हूं।'' खंबाटा ने अपने संबोधन में कहा, आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने का लक्ष्य रखने वाले एमएसएमई उद्यमियों के लिए उद्यमशीलता दक्षता एक महत्वपूर्ण कारक है। उद्यमियों के बीच उद्यमशीलता की अच्छी भावना बिजनेस के इकोसिस्टम को मजबूत करती है, जिससे विकास के लिए एक लचीला और टिकाऊ मॉडल तैयार होता है। मुझे यकीन है कि इस तरह के प्रवास अनुभव साझा करने और आपस में सीखने के लिए एक मंच देकर दुनिया भर में एमएसएमई के विकास को और बढ़ावा देंगे। डॉ. सुनील शुक्ला ने अपने स्वागत भाषण में कहा, एमएसएमई विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्थाओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने लगे हैं। भारत में एमएसएमई से संबंधित विभिन्न लाभकारी योजनाएं और नीतियां हैं, और इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए लगातार तरीकों और साधनों की खोज की जा रही है। मैं आभार व्यक्त करता हूं। सम्मेलन में 75 संस्थानों के 200 से अधिक राष्ट्रीय और 74 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। सम्मेलन के दौरान, एमएसएमई क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के प्रसार और प्रतिस्पर्धात्मकता, एमएसएमई में डिजिटल परिवर्तन- अवसर और चुनौतियां, नीतियां और नियम एमएसएमई के लिए रूपरेखा और कौशल विकास और प्रौद्योगिकी, एमएसएमई को अपनाना उद्योग 4.0 का लाभ उठाना जैसे प्रमुख विषयों पर गहन जानकारी प्रदान करने के लिए तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे।

सत्र को प्रमुख वक्ताओं द्वारा संबोधित किया जाएगा, जैसे डॉ. निमनुअल पिवथोंगंगम, चेयरपर्सन, एसएमई कमेटी, जॉइंट फॉरेन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स इन थाइलैंड, बैंकॉक; अमाया अशानी पालीहवदाना, विजिटिंग लेक्चरर, खेल और ग्रामीण विकास मंत्रालय, श्रीलंका; चार्ल्स अमोआको अड्डा, राज्य हित और शासन प्राधिकरण, घाना; वासा फार्मकिम के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. जैमिन वासा; अरुणया ऑर्गेनिक्स के चेयरमैन और सीआईआई गुजरात के पूर्व अध्यक्ष विनोद अग्रवाल; डॉ भारती मोटवानी, एसोसिएट प्रोफेसर, मैरीलैंड विश्वविद्यालय, यूएसए और डॉ सत्य रंजन आचार्य, प्रोफेसर और निदेशक, उद्यमिता शिक्षा विभाग, ईडीआईआई।